अध्याय 11

वन अनुसंधान केन्द्र
हैदराबाद

वन अनुसंधान केन्द्र, हैदराबाद दुल्लापल्ली गांव में 40 हैक्टेयर भूमि पर स्थित है। इस केन्द्र ने काष्ठ विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी संस्थान, बंगलौर के प्रशासनिक नियंत्रण में जून, 1997 से कार्य करना शुरू किया। इस केन्द्र को आन्ध्र प्रदेश और कर्नाटक राज्यों के दक्षिणी शुष्क पर्णपाती पारितंत्र की अनुसंधान आवश्यकताओं को पूरा करने के लिए स्थापित किया गया।

वर्ष 2000–2001 के दौरान शुरू की गई नई परियोजनाएं।

परियोजना 1: पूर्वी घाटों की दुर्लभ और संकटापन्न औषधीय एवं सुरभित पादपों के लिए संरक्षण एवं प्रवर्धन तकनीकें।

उद्देश्य : (क) पूर्वी घाटों के औषधीय एवं सुरभित पादपों के बहुमात्र गुणन और प्रवर्धन तकनीकों का मानकीकरण करना। (ख) गुणवत्ता स्टॉक का स्व–स्थाने एवं पर–स्थाने संरक्षण ।

की गई प्रगतिः साहित्य सर्वेक्षण का कार्य पूरा किया। तीन औषधीय पादपों यथा–कॉमिफोरा एगालोचा, रावोल्फिया सर्पेन्टाइना और जीम्नीमा सील्वीस्ट्री, को एकत्र करके वन अनुसंधान केन्द्र, हैदराबाद में सूत्रपात्र किया गया।

वर्ष 2000–2001 के लिए वित्तीय विवरण

I. योजना		
		व्यय (रुपये लाख में)
क.	राजस्व व्यय	
	i. अनुसंधान	13.00
	ii. प्रशासनिक सहायता	- -
	iii. अन्य ब्यौरा	9.00
ख.	ऋण और अग्रिम	
	i. ऋण अग्रिम (वाहन)	- -
	ii. गृह निर्माण अग्रिम	- -
ग.	पूंजीगत व्यय	
	i भवन व सड़कें	- -
	ii. उपकरण, पुस्तकालय पुस्तकें	- -
	iii. गाड़ियां	- -
	iv. अन्य ब्यौरा	- -
	योजना का कुल योग (क+ख+ग)	**22.00**
II. गैर योजना		
क.	राजस्व व्यय	
	i अनुसंधान	- -
	ii. प्रशासनिक सहायता (वेतन)	- -
	गैर योजना का कुल योग	- -
III. निधीयित परियोजनाएं		
	(क) विश्व बैंक परियोजना	0.96
	निधीयित परियोजना का कुल योग	**0.96**